मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

मानविकी – संकाय

स्नातकोत्तर – राजस्थानी साहित्य

नियमित छात्रों के अध्ययन हेतु

सत्र– 2016–17

एम.ए.पूर्वार्द्ध

सत्र 2016–17

परीक्षा वर्ष–2016–17

इस परीक्षा में 80 अंकों के पांच प्रश्न पत्र होंगे। 20 अंको का आन्तरिक मूल्यांकन होगा।

<u>प्रथम षट्मास</u>

2. द्वितीय प्रश्न पत्र–राजस्थानी साहित्य का इतिहास **41602**

(प्रारम्भ, पूर्व मध्यकाल उत्तरमध्यकाल)

द्वितीय प्रश्न पत्र राजस्थानी साहित्य का इतिहास **80 अंक**

(प्रारम्भकाल, पूर्वमध्यकाल, उत्तरमध्यकाल)

इकाई प्रथम

प्रारम्भ काल (कृतिकार एवं कृतियॉ)

इकाई–द्वितीय

पूर्वमध्यकाल (कृतिकार एवं कृतियॉ)

इकाई–तृतीय

पूर्वमध्यकाल (प्रवृतिगत कृतियों की विशेषताएँ)

इकाई–चतुर्थ

उत्तर मध्यकाल (कृतिकार एवं कृतियॉ)

इकाई–पंचम

उत्तर मध्यकाल (प्रवृतिगत कृतियों की विशेषताएँ)

सहायक पुस्तकें :–राजस्थानी भाषा और साहित्य – डॉ, मोतीलाल मेनारिया

उक्त पांचों इकाईयां तीन खण्डों में विभक्त होंगी, जिनमें निम्न प्रकार से अंकों का विभाजन रहेगा।

खण्ड 'अ' इस भाग में पाठ्यक्रम की सभी इकाईयों से कुल दस प्रश्न पुछे जायेगें। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर पचास शब्दों से अधिक न हो। प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का होगा।
(10×2=20)

खण्ड 'ब' इस भाग में पाठयक्रम की प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जायेंगे, जिसमें से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा। कुल दस प्रश्न होंगे जिनके विकल्प भी इसी इकाई से होंगे। प्रत्येक प्रश्न उत्तर लगभग 250 शब्दों में होगा। प्रश्न आठ अंकों का होगा।**(5×8=40अंक)**

खण्ड 'स' इस भाग में पाठयक्रम की प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न पूछा जायेंगा, प्रत्येक प्रश्न दस अंकों का होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 300 शब्दों में दिया जा सकता है। किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर देने होगें। **(2×10=20अंक)**